2017-18

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

एम.ए. पूर्वार्द्ध उत्तरार्द्ध प्रश्नपत्रों के शीर्षक

प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (सैद्धान्तिक) – भारतीय संगीत के सामान्य एवं व्यावहारिक सिद्धांन्त।

द्वितीय प्रश्नपत्र (सैद्धान्तिक) – भारतीय संगीत का इतिहास एवं सौन्दर्य शास्त्र

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (सैद्धान्तिक) – संगीत के व्यावहारिक सिद्धांन्त एवं सांगीतिक रचनाएँ।

द्वितीय प्रश्नपत्र (सैद्धान्तिक) – भारतीय संगीत का इतिहास एवं ध्वनि शास्त्र ।

तृतीय प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) I – राग वादन एवं मौखिक परीक्षा।

चतुर्थ प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) II – मंचप्रदर्शन।

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (सैद्धान्तिक) – संगीत के व्यावहारिक सिद्धांन्त एवं सांगीतिक रचनाएँ।

द्वितीय प्रश्नपत्र (सैद्धान्तिक) – भारतीय संगीत का इतिहास एवं संगीत शोध–प्रविधि ।

तृतीय प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) I – राग वादन एवं मौखिक परीक्षा।

चतुर्थ प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) II – मंचप्रदर्शन।

18.7.17

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

सत्र –2017–18

एम.ए. (वाद्य संगीत) पूर्वार्द्ध
द्वितीय सेमेस्टर प्रथम प्रश्नपत्र (सैद्धान्तिक)

पूर्णांक – 85

सीसीई – 15

भारतीय संगीत के सामान्य एवं व्यावहारिक सिद्धांन्त।

इकाई– 1

निम्नलिखित रागों का सैद्धान्तिक एवं तुलनात्मक अध्ययन–

(1) अहीर भैरव (2) बैरागी भैरव (3) हंसध्वनि (4) शुद्धसारंग

(5) मधमाद सारंग (6) मधुवंती (7) कलावती

इकाई– 2

(अ) प्रायोगिक हेतु निर्धारित रागों की गतों का स्वरलिपि लेखन अन्य ताल में गत रचना।

इकाई– 3

निम्नलिखित राग एवं रागांगो का विस्तृत अध्ययन

(1) भैरव (2) सारंग

इकाई– 4

(अ) निम्नलिखित तालों का सम्पूर्ण विवेचन– दुगुन,तिगुन, चौगुन,छःगुन सहित– आडा चार ताल, ब्रह्मताल, मणि, चित्रा

(ब) भारतीय वृन्दवादन की परम्परा और विकास।

इकाई– 5

निम्नलिखित विद्वानों के जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान–

(1) उस्ताद अलाउद्दीन खॉ

(2) पं. वी.जी. जोग

(3) उस्ताद अब्दुल हलीमजाफर खॉ

(4) पं. निखिल बनर्जी

(5) उस्ताद शाहिद परवेज

18-7-17

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

सत्र –2017–18

एम.ए. (वाद्य संगीत) पूर्वार्द्ध
द्वितीय सेमेस्टर द्वितीय प्रश्नपत्र (सैद्धान्तिक)

पूर्णांक – 85

सीसीई – 15

भारतीय संगीत का इतिहास एवं सौंदर्य शास्त्र।

इकाई– 1

(अ) मौर्य ,गुप्त, यवनकालीन संगीत का विस्तृत अध्ययन।

(ब) जैन एवं बौद्धकालीन संगीत का विस्तृत अध्ययन।

इकाई– 2

निम्नलिखित का अध्ययन–

स्वस्थान नियम, रूपकालाप, रागालाप, आलप्तिगान, अक्षिप्तिका, आविर्भाव, तिरोभाव, अल्पत्व, बहुत्व

इकाई– 3

पं. मतंग एवं पं. अहोबल कृत ग्रंथो का संक्षिप्त अध्ययन एवं संगीत में योगदान।

इकाई– 4

(अ) भारतीय संगीत में वाद्यो का वर्गीकरण (तत, अवनद्ध ,घन,सुषिर)

(ब) सितार वाद्य का विकास ,अंगवर्णन मिलाने की विधि व हस्त व्यापार

इकाई– 5

(अ) रागो का विभाजन करने का प्राचीन सिद्धांत (ग्रामराग,उपराग, राग, भाषा, विभाषा, भाषांग,उपांग इत्यादि)

(ब) सामान्य जानकारी– लोकवाद्य– ढोल, दुन्दुभी, खन्जरी, झांझ,, करताल,

नृत्य की विभिन्न शैलिया – कथक, भरतनाट्य, मणिपुरी

18.11.17

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

सत्र –2017–18.

एम.ए. (वाद्य संगीत) पूर्वार्द्ध
द्वितीय सेमेस्टर तृतीय प्रश्नपत्र प्रायोगिक I

पूर्णांक – 100

राग वादन एवं मौखिक परीक्षा।

इकाई– 1

निम्नलिखित रागों में से किन्हीं दो रागों में विलम्बित एवं द्रुत ख्याल आलाप–तान सहित एवं शेष सभी रागों में केवल द्रुतगत का वादन –

((1) अहीर भैरव (2) बैरागी भैरव (3) हंसध्वनि (4) शुद्धसारंग

(5) मधमाद सारंग (6) मधुवंती (7) कलावती

इकाई– 2

उपर्युक्त निर्धारित रागों में से एक धुन एवं भजन रचना।

इकाई– 3

उपर्युक्त सभी रागों की मौखिक परीक्षा ।

इकाई– 4

पाठ्यक्रम की तालों का हस्तप्रदर्शन

एम.ए. (वाद्य संगीत) प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय सेमेस्टर चतुर्थ प्रश्नपत्र (प्रायोगिक द्वितीय)

पूर्णांक – 100

मंच प्रदर्शन

इकाई– 1

प्रथम प्रायोगिक प्रश्नपत्र की इकाई एक में निर्धारित रागों में से किसी एक राग का विलम्बित एवं द्रुत गत का वादन सहित।

इकाई– 2

प्रथम प्रायोगिक प्रश्नपत्र की इकाई प्रथम में निर्धारित रागों में से परीक्षक द्वारा दिये गये राग के मध्यलय गत का आलाप–तान सहित वादन।

इकाई– 3

निम्नलिखित गीत प्रकारों मे से किसी एक गीत प्रकार का वादन

1) भजन (2) गजल (3) गीत (4) लोकगीत

इकाई– 4– एक धुन का वादन।

18.12.17